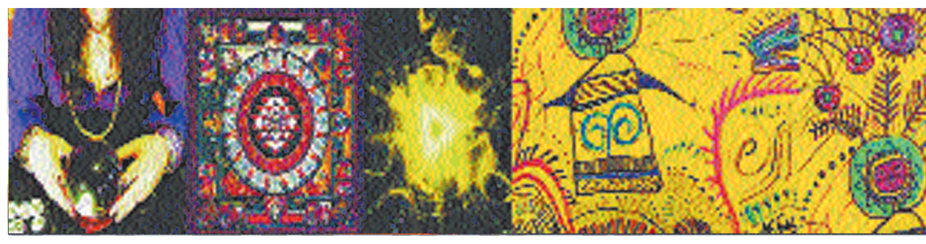

ज्योतिषीय विश्वास प्रणाली पर सैद्धांतिक ढांचे

ज्योतिषाचार्य
तेजस्कर पाण्डेय

मानव सभ्यता के इतिहास में विश्वास प्रणालियाँ मानव चेतना, सामाजिक संरचना, सांस्कृतिक व्यवहार और धार्मिक अनुभवों का अभिन्न अंग रही हैं. ज्योतिष, जो प्राचीन काल से ही मानव समाज में एक ज्ञान-परंपरा, आस्था-प्रणाली और व्यावहारिक मार्गदर्शक के रूप में विद्यमान रहा है, केवल भविष्यवाणी की तकनीक नहीं बल्कि मानव जीवन को अर्थ प्रदान करने वाली एक व्यापक सांस्कृतिक-सांस्कृतिक संरचना है. आधुनिक समाजशास्त्र, मानवशास्त्र, मनोविज्ञान और धर्म-अध्ययन के क्षेत्र में विश्वास प्रणालियों को समझने के लिए अनेक सैद्धांतिक ढाँचे विकसित किए गए हैं, जिनके माध्यम से ज्योतिषीय विश्वास को एक सामाजिक, मनोवैज्ञानिक और दार्शनिक संरचना के रूप में व्याख्यायित किया जा सकता है.

ज्योतिषीय विश्वास प्रणाली को केवल अंधविश्वास या अंध आस्था के रूप में नहीं देखा जा सकता, क्योंकि यह हजारों वर्षों से मानव सभ्यता में ज्ञान, अनुष्ठान, धर्म, राजनीति और व्यक्तिगत जीवन के निर्णयों में प्रभावी भूमिका निभाता आया है. भारत, चीन, बेबीलोन, ग्रीस, मिस्र, अरब और यूरोप की सभ्यताओं में ज्योतिष को वैज्ञानिक, दार्शनिक और आध्यात्मिक ज्ञान के समन्वित रूप में स्वीकार किया गया था. इस संदर्भ में ज्योतिषीय विश्वास प्रणाली का अध्ययन केवल वैज्ञानिक प्रमाणिकता के प्रश्न तक सीमित नहीं है, बल्कि यह मानव विश्वास, प्रतीकात्मक अर्थ, सांस्कृतिक निरंतरता और सामाजिक संरचना के अध्ययन का विषय है.

विश्वास प्रणाली की अवधारणा समाजशास्त्र और मानवशास्त्र में केंद्रीय स्थान रखती है. एमिल दुर्खीम ने धर्म और विश्वास को सामाजिक तथ्य के रूप में देखा और कहा कि समाज स्वयं पवित्रता का निर्माण करता है. मैक्स वेबर ने धार्मिक विश्वासों को सामाजिक क्रियाओं के अर्थपूर्ण ढाँचे के रूप में समझाया. क्लिफोर्ड गीट्ज़ ने धर्म को प्रतीकों की प्रणाली के रूप में परिभाषित किया जो मानव जीवन को अर्थ प्रदान करती है. इसी प्रकार, ज्योतिष को भी प्रतीकों, मिथकों, अनुष्ठानों और सामाजिक अर्थों की एक प्रणाली के रूप में देखा जा सकता है, जो व्यक्ति और समाज दोनों के लिए जीवन के अनिश्चितताओं को समझने का ढाँचा प्रदान करती है.

ज्योतिषीय विश्वास प्रणाली का सैद्धांतिक विश्लेषण करने के लिए कई दृष्टिकोण अपनाए जा सकते हैं, जिनमें संरचनात्मक-कार्यात्मक दृष्टिकोण, प्रतीकात्मक-व्याख्यात्मक दृष्टिकोण, मनोवैज्ञानिक दृष्टिकोण, ज्ञानमीमांसात्मक और दार्शनिक दृष्टिकोण, तथा उत्तर-आधुनिक और सांस्कृतिक अध्ययन दृष्टिकोण प्रमुख हैं. इन सभी दृष्टिकोणों के माध्यम से यह स्पष्ट होता है कि ज्योतिष केवल एक भविष्यवाणी प्रणाली नहीं बल्कि मानव अस्तित्व की अर्थव्यवस्था का हिस्सा है.

संरचनात्मक-कार्यात्मक सिद्धांत के अनुसार समाज विभिन्न संस्थानों और विश्वास प्रणालियों से मिलकर बना होता है, जो सामाजिक स्थिरता और समरसता बनाए रखते हैं. दुर्खीम और टैल्कॉट पार्सन्स के अनुसार धर्म और विश्वास प्रणालियाँ सामाजिक एकीकरण और नैतिक व्यवस्था के लिए आवश्यक हैं. इस दृष्टिकोण से ज्योतिष समाज में सामाजिक भूमिका निभाता है, जैसे विवाह, मुहूर्त, जन्म, नामकरण, यात्रा, व्यवसाय और राजनीतिक निर्णयों में मार्गदर्शन प्रदान करना. भारतीय समाज में ज्योतिषीय परामर्श एक सामाजिक संस्था के रूप में कार्य करता है, जो अनिश्चित भविष्य के प्रति मनोवैज्ञानिक सुरक्षा प्रदान करता है और सामाजिक नियमों को वैधता प्रदान करता है.

ज्योतिष का प्रतीकात्मक-व्याख्यात्मक दृष्टिकोण क्लिफोर्ड गीट्ज़ और विक्टर टर्नर के कार्यों से प्रेरित है. इस दृष्टिकोण में ज्योतिष को प्रतीकों और अर्थों की एक प्रणाली के रूप में देखा जाता है. ग्रह, राशि, नक्षत्र, दशा, योग और भाव केवल खगोलीय वस्तुएँ नहीं हैं, बल्कि वे सांस्कृतिक प्रतीक हैं, जिनके माध्यम से मानव जीवन की घटनाओं को अर्थ दिया जाता है. उदाहरण के लिए, शनि को कर्म और दंड के प्रतीक के रूप में देखा जाता है, गुरु को ज्ञान और आशीर्वाद के प्रतीक के रूप में, और राहु-केतु को कर्मबंधन और रहस्य के प्रतीक के रूप में. ये प्रतीक मानव अनुभव को एक सांस्कृतिक कथा में रूपांतरित करते हैं, जिससे व्यक्ति अपने जीवन की घटनाओं को एक व्यापक ब्रह्मांडीय व्यवस्था के साथ जोड़ सकता है.

मनोवैज्ञानिक दृष्टिकोण से ज्योतिषीय विश्वास प्रणाली मानव मन की अनिश्चितता, भय और आशा से संबंधित है. फ्रायड, युंग और आधुनिक संज्ञानात्मक मनोवैज्ञानिकों ने यह दिखाया है कि मानव मस्तिष्क पैटर्न और अर्थ की खोज करता है. युंग के सामूहिक अचेतन की अवधारणा के अनुसार, ज्योतिषीय प्रतीक मानव सभ्यता के गहरे मनोवैज्ञानिक आर्कटाइप्स से जुड़े हुए हैं. ग्रह और राशियाँ मानव व्यक्तित्व के प्रतीकात्मक प्रतिरूप बन जाती हैं, जिससे व्यक्ति स्वयं को समझने और आत्म-चिंतन करने में सहायता प्राप्त करता है. आधुनिक मनोविज्ञान में ज्योतिष को अर्थ-निर्माण प्रणाली के रूप में देखा जाता है, जो व्यक्ति को जीवन की अनिश्चितताओं में संज्ञानात्मक संरचना प्रदान करती है.

ज्ञानमीमांसात्मक दृष्टिकोण से ज्योतिषीय विश्वास प्रणाली ज्ञान की प्रकृति और सत्य के प्रश्नों से जुड़ी हुई है. पश्चिमी विज्ञान में ज्ञान को प्रायोगिक और सत्यापन योग्य माना जाता है, जबकि भारतीय दर्शन में ज्ञान के कई स्रोत स्वीकार किए गए हैं, जैसे प्रत्यक्ष, अनुमान, शब्द, उपमान और अर्थापत्ति. ज्योतिष भारतीय परंपरा में शब्द और अनुमान के माध्यम से ज्ञान का स्रोत माना गया है, क्योंकि यह शास्त्रों, परंपरा और अनुभव पर आधारित है. इस संदर्भ में ज्योतिष को केवल आधुनिक विज्ञान के मानदंडों से नहीं, बल्कि भारतीय ज्ञानमीमांसा के संदर्भ में समझना आवश्यक है.

उत्तर-आधुनिक दृष्टिकोण ज्योतिषीय विश्वास प्रणाली को शक्ति, ज्ञान और विमर्श के संदर्भ में देखता है. मिशेल फूको और पियरे बोरद्यू जैसे विचारकों के अनुसार ज्ञान और विश्वास सत्ता संरचनाओं से जुड़े होते हैं. ज्योतिष का उपयोग सत्ता, राजनीति और सामाजिक नियंत्रण में भी हुआ है. राजाओं के राजतिलक, युद्ध निर्णय और शासन नीतियाँ ज्योतिषीय परामर्श से निर्धारित की जाती थीं. आधुनिक समय में भी ज्योतिष मीडिया, राजनीति और लोकप्रिय संस्कृति में प्रभावी भूमिका निभाता है, जिससे यह स्पष्ट होता है कि यह केवल निजी विश्वास नहीं बल्कि सामाजिक विमर्श का हिस्सा है.

भारतीय ज्ञान परंपरा में ज्योतिष को वेदांगों में से एक माना गया है और इसे धर्म, कर्म और मोक्ष के साथ जोड़ा गया है.

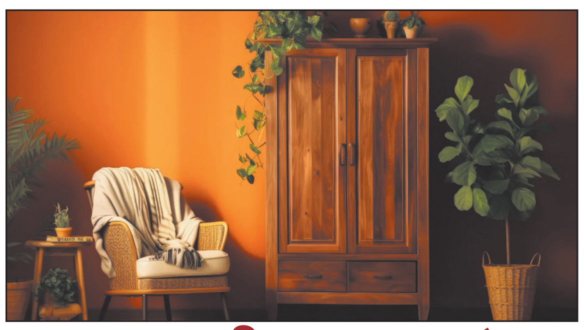

अलमारी पर रखा ये सामान बुलाता है दरिद्रता!

घर की सुख-समृद्धि केवल मेहनत और कमाई पर ही निर्भर नहीं करती, बल्कि घर की ऊर्जा और व्यवस्था भी इसमें अहम भूमिका निभाती है. वास्तु शास्त्र में घर के हर कोने और हर फर्नीचर का विशेष महत्व बताया गया है. अलमारी भी उन्हीं में से एक है. अक्सर लोग जगह बचाने के लिए इसके ऊपर पुराने कपड़े, किताबें या डिब्बे रख देते हैं, लेकिन यही आदत धीरे-धीरे आर्थिक तंगी, मानसिक तनाव और नकारात्मकता की वजह बन सकती है. वास्तु शास्त्र के अनुसार अलमारी केवल कपड़े या कीमती सामान रखने की जगह नहीं होती, बल्कि यह घर में धन, स्थिरता और सुरक्षा की प्रतीक मानी जाती है.

जब अलमारी को सही दिशा में और व्यवस्थित तरीके से रखा जाता है, तो यह सकारात्मक ऊर्जा को बढ़ाती है. लेकिन जब इसके ऊपर भारी, पुराने और अनावश्यक सामान जमा होने लगता है, तो यह घर की ऊर्जा को बाधित करने लगता है. अलमारी का ऊपरी हिस्सा यदि भरा हुआ और अव्यवस्थित हो, तो इसका सीधा असर घर के माहौल पर पड़ता है. ऐसे घरों में रहने वाले लोगों को अक्सर बिना कारण बेचैनी, चिड़चिड़ापन और मानसिक तनाव महसूस होता है. निर्णय लेने में असमंजस बना रहता है और कामों में बार-बार रुकावट आती है.

वास्तु विशेषज्ञों के अनुसार, यह स्थिति ऊर्जा के प्रवाह को रोक देती है, जिससे घर में सकारात्मकता कम होने लगती है. इसका असर केवल मानसिक स्तर तक सीमित नहीं रहता, बल्कि स्वास्थ्य भी प्रभावित होता है. बार-बार सर्दी-जुकाम, सिरदर्द, थकान और छोटी-छोटी बीमारियां घर के सदस्यों को घेर लेती हैं. साथ ही, आर्थिक स्थिति भी धीरे-धीरे कमजोर होने लगती है. पैसे आते तो हैं, लेकिन टिक नहीं पाते. अनावश्यक खर्च बढ़ते हैं और बचत करना मुश्किल हो जाता है.

लक्ष्मी नारायण योग से चमकेगा भाग्य

बुध-शुक्र-राहु की युति से बना बड़ा राजयोग

वैदिक ज्योतिष में बनने वाले राजयोग व्यक्ति के जीवन में बड़े और सकारात्मक बदलाव लाने की क्षमता रखते हैं. वर्ष 2026 में एक ऐसा ही शक्तिशाली और दुर्लभ योग बन रहा है, जिसे लक्ष्मी नारायण योग कहा जाता है. यह योग धन, सुख, वैभव और बुद्धि का प्रतीक माना जाता है.

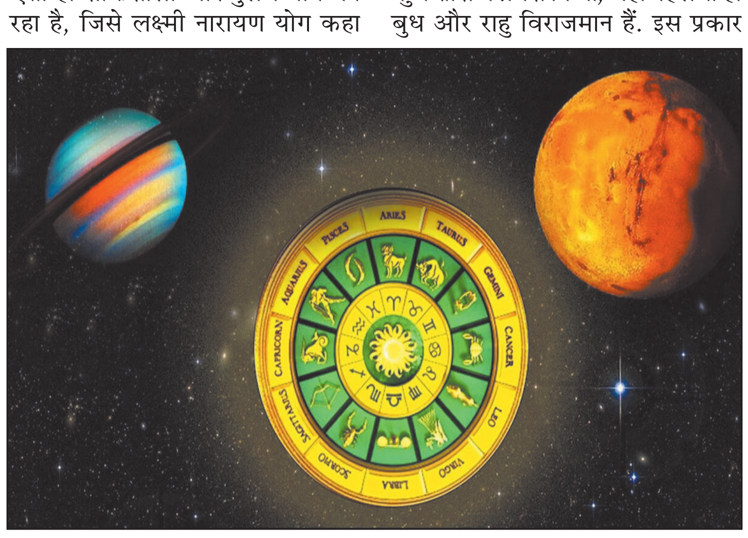

खास बात यह है कि इस बार यह योग त्रिग्रही संयोग के साथ बन रहा है, जिससे इसका प्रभाव और भी ज्यादा शुभ हो गया है. वैदिक ज्योतिष के अनुसार, जब शुभ ग्रह एक विशेष स्थिति में एकत्र होते हैं, तो वे राजयोग का निर्माण करते हैं. ऐसा ही एक महत्वपूर्ण और प्रभावशाली योग है लक्ष्मी नारायण योग, जो वर्ष 2026 में बन रहा है. यह योग तब बनता है जब बुद्धि, वाणी और व्यापार के कारक बुध और धन, सुख व ऐश्वर्य के दाता शुक्र एक साथ होते हैं. 1 बजकर 15 मिनट पर शुक्र ने कुंभ राशि में प्रवेश किया, जहां पहले से ही बुध और राहु विराजमान हैं. इस प्रकार कुंभ राशि में बुध-शुक्र-राहु की त्रिग्रही युति बन रही है, जिसके साथ लक्ष्मी नारायण योग का निर्माण हो रहा है. यह शुभ योग 2 मार्च 2026 तक प्रभावी रहेगा. ज्योतिषीय गणना चंद्र राशि के आधार पर की गई है, जिसके अनुसार इस योग का सबसे अधिक लाभ मेष, मिथुन और तुला राशि के जातकों को मिल सकता है.

मेष राशि

मेष राशि के जातकों के लिए यह योग करियर और आर्थिक उन्नति के लिहाज से बेहद शुभ रहेगा. नौकरीपेशा लोगों को पदोन्नति, नई जिम्मेदारी या बेहतर अवसर मिल सकते हैं. व्यापार करने वालों को नए सौदे और लाभ के अवसर प्राप्त होंगे. आय के नए स्रोत बन सकते हैं और आर्थिक स्थिति मजबूत होगी. साथ ही सामाजिक मान-सम्मान में भी वृद्धि के योग हैं.

मिथुन राशि

मिथुन राशि के जातकों के लिए यह योग नवम भाव में बन रहा है, जिसे भाग्य और धर्म का भाव माना जाता है. इस दौरान भाग्य का पूरा साथ मिलेगा. लंबे समय से अटके कार्य पूरे हो सकते हैं. धन लाभ के प्रबल योग बनेंगे. उच्च शिक्षा, प्रतियोगी परीक्षा और विदेश से जुड़े मामलों में सफलता मिल सकती है. यात्राएं लाभकारी रहेंगी और गुरुजनों का सहयोग प्राप्त होगा.

तुला राशि

तुला राशि के जातकों के लिए यह योग पंचम भाव में बन रहा है. यह भाव बुद्धि, प्रेम, संतान और रचनात्मकता से जुड़ा होता है. इस दौरान निवेश से लाभ मिल सकता है. प्रेम संबंध मजबूत होंगे और वैवाहिक जीवन में मधुरता आएगी. विद्यार्थियों के लिए यह समय खास रहेगा. संतान से जुड़ा कोई शुभ समाचार भी मिल सकता है.

भारत नहीं, ये देश बना दुनिया का सबसे धार्मिक देश

क्या कोई देश पूरी तरह धार्मिक हो सकता है? और क्या आज के आधुनिक दौर में भी धर्म लोगों की जिंदगी का केंद्र बना हुआ है? इन सवालों के जवाब तलाशने के लिए एक वैश्विक सर्वे किया गया, जिसमें दुनिया भर के लोगों से धर्म के प्रति उनके जुड़ाव को लेकर राय ली गई. इस सर्वे के नतीजे कई मायनों में चौंकाने वाले हैं. भारत टॉप 5 में जरूर शामिल है, लेकिन दुनिया का सबसे धार्मिक देश कोई और ही निकला.

धर्म और आस्था किसी भी समाज की पहचान का अहम हिस्सा होते हैं. लेकिन यह जानना दिलचस्प है कि दुनिया के कौन से देश में लोग खुद को सबसे ज्यादा धार्मिक मानते हैं. इसी सवाल का जवाब जानने के लिए .स्. ह्द2ह्य द्वारा एक वैश्विक सर्वे किया गया, जिसमें करीब 17 हजार लोगों को शामिल किया गया. यह सर्वे 2024 की बेस्ट कन्ट्रीज रैंकिंग का हिस्सा है, जिसे डब्लूपीपी और यूनिवर्सिटी ऑफ पेनसिल्वेनिया के व्हार्टन स्कूल के साथ मिलकर तैयार किया गया. सर्वे में लोगों से पूछा गया कि वे अपने देश को धार्मिक मानते हैं या नहीं और धर्म उनके रोजमर्रा के जीवन में कितनी अहम भूमिका निभाता है.

इस सर्वे के मुताबिक, सऊदी अरब दुनिया का सबसे धार्मिक देश बनकर उभरा है. करीब 3.6 करोड़ की आबादी वाले इस देश में धर्म न केवल व्यक्तिगत जीवन, बल्कि कानून, सामाजिक व्यवस्था और सार्वजनिक जीवन का भी अहम हिस्सा है. दूसरे स्थान पर इजराइल है, जहां धर्म राष्ट्रीय पहचान और संस्कृति से गहराई से जुड़ा हुआ है. तीसरे नंबर पर ईरान और चौथे स्थान पर भारत है. करीब 1.4 अरब की आबादी वाले भारत में विविध धर्मों के बावजूद धार्मिक आस्था लोगों के जीवन में गहराई से रची-बसी है. टॉप 10 की सूची में इसके अलावा संयुक्त अरब अमीरात, मिस्र, कतर, जॉर्डन, तुर्की और ओमान जैसे देश शामिल हैं. खास बात यह है कि इस सूची में कोई भी अमेरिका या यूरोप का देश जगह नहीं बना पाया.

भारत और इजराइल को छोड़ दें, तो टॉप 10 में बाकी सभी देश मुस्लिम बहुल हैं. ये आंकड़े एक बड़े वैश्विक ट्रेंड की ओर इशारा करते हैं. जहां पश्चिमी देशों में लोग तेजी से खुद को सेक्युलर या गैर-धार्मिक मानने लगे हैं, वहीं दक्षिण एशिया और मिडिल ईस्ट में धर्म आज भी रोजमर्रा के जीवन, परंपराओं और सामाजिक ढांचे का मजबूत आधार बना हुआ है.

सर्वे यह भी बताता है कि इन क्षेत्रों में धार्मिक पहचान पब्लिक लाइफ और निजी विश्वासों को पश्चिमी दुनिया की तुलना में कहीं ज्यादा प्रभावित करती है.

करोड़पति बनने से पहले दिखते हैं ये शुभ सपने

सपनों की दुनिया जितनी रहस्यमयी होती है, उतनी ही संकेतों से भरी भी. स्वप्न शास्त्र के अनुसार, नींद में दिखाई देने वाले कई दृश्य आने वाले समय की घटनाओं का संकेत देते हैं. खासतौर पर कुछ सपने ऐसे माने गए हैं, जो व्यक्ति के जीवन में धन, समृद्धि और आर्थिक उन्नति के संकेत होते हैं. यदि बार-बार ये सपने दिखाई दें, तो यह इस बात का इशारा हो सकता है कि आपकी किस्मत जल्द ही करवट लेने वाली है.

यदि किसी व्यक्ति को सपने में तेजस्वी सूर्य, पूर्णिमा का चंद्रमा या मंदिर पर फहराता हुआ ध्वज दिखाई दे, तो यह अत्यंत शुभ संकेत होता है. खासतौर पर काले बादलों के बीच से सूर्य का निकलना इस बात का संकेत है कि आर्थिक परेशानियां जल्द समाप्त होंगी और आय के नए स्रोत खुलेंगे. सपने में मां लक्ष्मी के दर्शन होना सबसे मंगलकारी संकेतों में से एक माना जाता है. चाहे देवी की मूर्ति दिखे, चित्र दिखे या स्वयं दर्शन हों—यह सपना बताता है कि व्यक्ति पर धन की देवी की विशेष कृपा होने वाली है और बड़ा आर्थिक लाभ मिल सकता है. कमल का फूल भी स्वप्न शास्त्र में धन और वैभव का प्रतीक है.

राशिफल

दिनांक- 08 से 14 फरवरी 2026 तक

ज्योतिषाचार्य पंडित
प्रियंका नारायणशंकर व्यास,
कोतवाली बाजार, जबलपुर मो.नं. 098266-21998

साप्ताहिक ग्रहस्थिति– इस सप्ताह सूर्य मकर राशि में ता. 13 को 8/26 प्रात: से कुम्भ राशि में, मंगल मकर राशि में, बुध कुम्भ राशि में, वक्री गुरू मिथुन राशि में, शुक्र कुम्भ राशि में, शनि मीन राशि में, राहु कुम्भ राशि में, केतु सिंह राशि में और चन्द्रमा तुला वृश्चिक धनु और मकर राशि में संचरण करेगा.

ग्रहयोगों का प्रभाव:– इस सप्ताह कुम्भ राशि में सूर्य बुध शुक्र और राहु की स्थिति देश के कुछ प्रान्तों में प्राकृतिक आपदा का सूचक है. कहीं समुद्री तूफान, भूकम्प, अग्निकाण्ड, आदि से जन धन हानि भय है. शतभिषा नक्षत्र के सूर्य राहु भी राजनीतिज्ञों में मतभेद बढायेगा. ता. 12 को सूर्य भी कुम्भ राशि में राहु बुध शुक्र के साथ एक राशि संबंध बनायेगा, जिसके प्रभाव से मूंगफली, सरसों, घी, तेल आदि तिलहन, ऐरण्डी, गुड, खांड, रूई, पाट, शक्कर में तेजी का रूख रहेगा.

पर्व/व्रत/त्यौहार:

रविवार	08 फरवरी को	भानु सप्तमीं
सोमवार	09 फरवरी को	श्री जानकी जयंती, सीताष्टमीं,
शुक्रवार	13 फरवरी को	विजया एकादशी व्रत,
शनिवार	14 फरवरी को	शनि प्रदोष व्रत, सौर फाल्गुन मास प्रारम्भ, खरमास प्रारम्भ

मेष

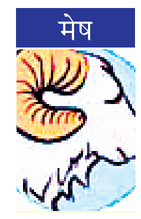

आप अपनी सोच समझ का अच्छा इस्तेमाल करेंगे, वाहन खरीदने का योग है, परिवार की महिला सदस्य की पदोन्नति की संभावना है, शेयर बाजार में उतार चढ़ाव की स्थिति बनेगी, छात्रों को सफलता मिलेगी, मित्रों के साथ दूर दराज की यात्रा का योग है, जीवनसाथी का सहयोग बना रहेगा, पुराना रोग आपको कष्ट दे सकता है, नई प्रापर्टी की चर्चा चल सकती है, शुभसूचना मिलेगी.

वृषभ

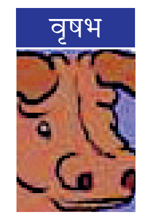

इस सप्ताह चुनौतियों पर विजय प्राप्त होगी, आपकी बुद्धि विरोधियों पर भारी पड़ सकती है, सतर्कता के साथ कार्य करें, कार्यक्षेत्र में अच्छी सफलता मिलेगी, आप किसी अनुबंध में शामिल हो सकते हैं, आर्थिक स्थिति पहले से बेहतर रहेगी, शादी विवाह पर विचार होगा, प्रापर्टी के निर्माण पर खर्च होगा, सप्ताहान्त में नये कारोबार में जहां तक बने निर्णय न करें, खानपान में सावधानी बांछनीय है.

मिथुन

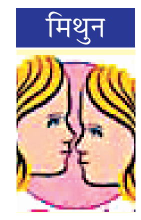

कार्यक्षेत्र में आत्मविश्वास का परिचय देंगे, आर्थिक स्थिति में संतुष्टि रहेगी, परन्तु खर्च अधिक होगा, रचनात्मक कार्यो मेंरूचि रहेगी, नई कार्ययोजना की शुरूआत करने के लिये बैंक या कहीं से कर्ज लेना पड़ सकता है, मित्रों का सहयोग रहेगा, आपका यश,तथा सम्मान बढ़ेगा, मानसिक शांति रहेगी, कामकाज में मन लगेगा, हर क्षेत्र में यश तथा संतोष प्राप्त होगा, कोई अच्छी बात मालुम होगी.

कर्क

धर्म कर्म में खर्च होगा, स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान रखें, जोड़ों का दर्द और जल संबंधी रोगों से कष्ट हो सकता है, व्यापारी वर्ग को यात्रा करना पड़ सकती है, सप्ताहान्त में परिवार में किसी समारोह की संभावना है, जान पहचान का दायरा बढ़ेगा, किसी आकर्षण में बंध सकते हैं, परीक्षा में सफलता मिलेगी, परिवार के साथ यात्रा होगी.

सिंह

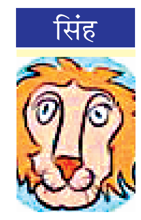

निजी संबंधों के प्रति संवेदनशील रहेंगे, शादी विवाह धार्मिक कार्यो में खर्च की संभावना है, खरीदी के कार्यो में सावधानी रखें, उन्नति के मार्ग में बाधा आ सकती है, पुराना पैसा प्राप्त होगा, नये कामकाज पर विचार विमर्श होगा,नौकरी में अधिनस्थ व्यक्ति से परेशानी हो सकती है, मनोरंजन, आमोद प्रमोद के साधनों में वृद्धि होगी,सप्ताह के अंतिम दिनों भागदौड़ का स्वास्थ्य पर असर पड़ सकता है.

कन्या

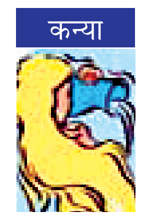

आर्थिक कामकाज में उतार चढ़ाव के संकेत हैं, कुछ निराशा का सामना हो सकता है, महत्वपूर्ण फैसला करने में देरी कर सकते हैं, प्रयास और लगन से अन्त में सफलता मिलेगी, आपको अपने निर्णय पर अड़िग रहना चाहिये, दाम्पत्य जीवन मेंमधुरता रहेगी, आज तक जो योजना दूसरों के असहयोग से अटक रही थी, उसे पूरा करने में दोस्तों का साथ मिलेगा, रिश्तों में मधुरता आयेगी.

तुला

दिनचर्या में लापरवाही से स्वास्थ्य कष्ट हो सकता है, शारीरिक श्रम उतना ही करें, जितना शरीर साथ दे, मानसिक शांति के लिये योग और आध्यात्मिकता से जुड़ सकते हैं, सप्ताह के मध्य पेट संबंधी कष्ट हो सकता है, सगे संबंधी या पुत्र का विदेश या घर से दूर जाने का योग बनेगा, आमदानी बढ़ेगी, रहन सहन पर खर्च होगा, लापरवाही न करें, थोड़े लाभ में भी संतोष का अनुभव होगा.

वृश्चिक

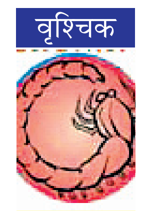

मानसिक परेशानी का सामना हो सकता है, पिता या किसी पूज्य का स्वास्थ्य बिगड़ सकता है, समय पर इलाज करायें, कार्यक्षेत्र में महत्वाकांक्षी साबित होंगे, लक्ष्य का योग है, प्राप्ति तत्परता से लाभ प्राप्त होगा, धर्म कर्म और पूज्य लोगों के कार्यो में खर्च होगा, नया वाहन खरीदने के लिये धन की व्यवस्था करना होगी, राजकीय मामलों में गंभीरता से निर्णय लें.

धनु

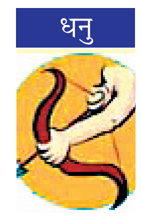

सफलता प्राप्त करने के लिये सकारात्मक दृष्टिकोण अपनायें, गलत लोगों से सावधान रहें, कुछ लोग आपको हानि पहुंचाने का प्रयास कर सकते हैं, रोजगार की प्राप्ति के लिये नये अवसर प्राप्तहोंगे, दुविधाजनक स्थिति से बचना चाहिये, आत्म विश्वास बनाये रखें, सोच समझकर निर्णय करने से लाभ होगा, यात्रा उपयोगी रहेगी, अनपेक्षित धन व्यय हो सकता है.

मकर

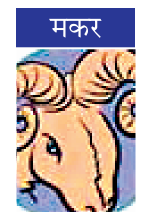

आधे अधूरे कार्यो के कारण परेशानी हो सकती है, व्यापारियोंको मानसिक तनाव की संभावना है,परन्तु हालत जल्दी नहीं सुधरेंगे, छात्रों को सफलता मिलेगी, नौकरी में आकर्षक प्रस्ताव सामने आ सकते हैं, मांगलिक कार्यो शादी विवाह आदि पर विचार होगा, घर गृहस्थी के किसी मामले में आप दुखी हो सकते हैं, परन्तु यह दुख क्षणिक ही होगा, गुमी वस्तु मिलने से प्रसन्नता होगी.

कुम्भ

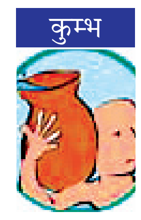

आप भविष्य को लेकर थोड़े चिंतित रह सकते हैं, सकारात्मक सोच से सफलता मिलेगी, कार्यक्षेत्र में अतिरिक्त जिम्मेदारियों को वहन करना पड़ेगा, आमदानी बढ़ने की संभावना है, राजनेताओं को अपने कार्यो से प्रसिद्धि मिलेगी, जितना खर्च होगा, उतना पैसा मिलेगा, आपकी प्रतिष्ठा बनी रहेगी, कोर्ट कचहरी तथा अन्य कार्यमें समय का ध्यान रखना हितकर रहेगा.

मीन

आपकी स्थिति बेहतर होगी, आर्थिक मामलों में सफलता मिलेगी, कर्ज की चिन्ताओं सेमुक्ति मिलेगी, परिश्रम का उचित प्रतिफल प्राप्त हो सकता है, अत्याधिक कार्य करने केकारण थकान महसूस होसकती है, सतुलित भोजन से लाभ होगा, दूसरों की सलाह पर एक दम निर्णय न करें, अन्यथा पछताना पड़ सकता है, कोर्टकचहरी के मामले आपके पक्ष मेंआने का योग है.